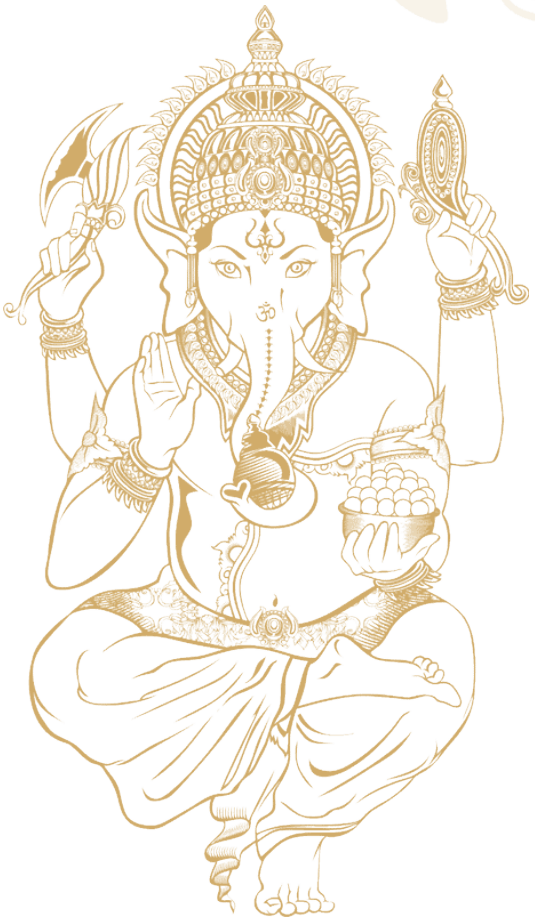

Naveen

Renu

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121499906

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
07/11/1991	जन्म तिथि	23/12/1996
गुरुवार	दिन	सोमवार
घंटे 21:35:00	जन्म समय	11:15:00 घंटे
घटी 39:37:33	जन्म समय(घटी)	12:34:10 घटी
India	देश	India
Bhatpara	स्थान	Ladnun
22:51:00 उत्तर	अक्षांश	27:36:00 उत्तर
88:31:00 पूर्व	रेखांश	74:26:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:24:04	स्थानिक संस्कार	-00:32:16 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:43:58	सूर्योदय	07:19:45
16:55:09	सूर्यास्त	17:43:18
23:44:51	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:54

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शनि 16वर्ष 6मा 9दि	29:59:28	मिथु	लग्न	कुंभ	12:14:01	चन्द्र 3वर्ष 1मा 7दि
केतु	20:59:59	तुला	सूर्य	धनु	07:52:02	गुरु
18/05/2025	05:04:11	वृश्चि	चंद्र	वृष	19:11:38	30/01/2025
17/05/2032	21:13:20	तुला	मंगल	कन्या	02:16:31	30/01/2041
केतु 14/10/2025	10:43:48	वृश्चि	बुध	धनु	25:22:47	गुरु 20/03/2027
शुक्र 14/12/2026	16:42:54	सिंह	गुरु	धनु	29:20:58	शनि 01/10/2029
सूर्य 21/04/2027	04:34:45	कन्या	शुक्र	वृश्चि	13:40:56	बुध 07/01/2032
चन्द्र 20/11/2027	07:22:28	मक	शनि	मीन	07:08:44	केतु 12/12/2032
मंगल 17/04/2028	17:29:32	धनु व	राहु व	कन्या	09:58:04	शुक्र 13/08/2035
राहु 05/05/2029	17:29:32	मिथु व	केतु व	मीन	09:58:04	सूर्य 01/06/2036
गुरु 11/04/2030	17:05:41	धनु	हर्ष	मक	08:58:58	चन्द्र 01/10/2037
शनि 21/05/2031	20:43:52	धनु	नेप	मक	02:41:53	मंगल 07/09/2038
बुध 17/05/2032	26:19:23	तुला	प्लूटो	वृश्चि	10:15:56	राहु 30/01/2041

लग्न-चलित

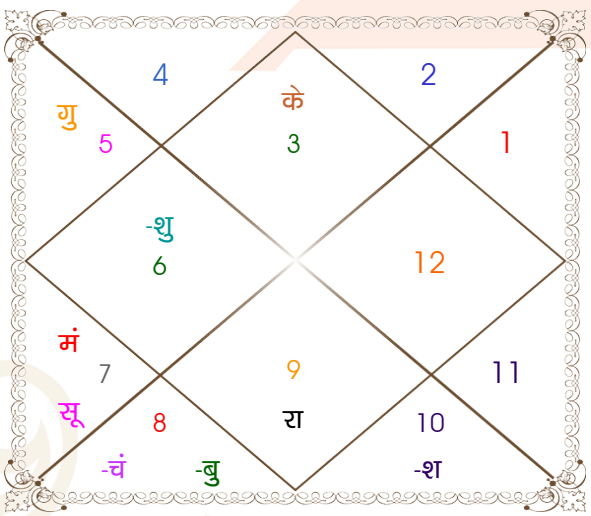

लग्न-चलित

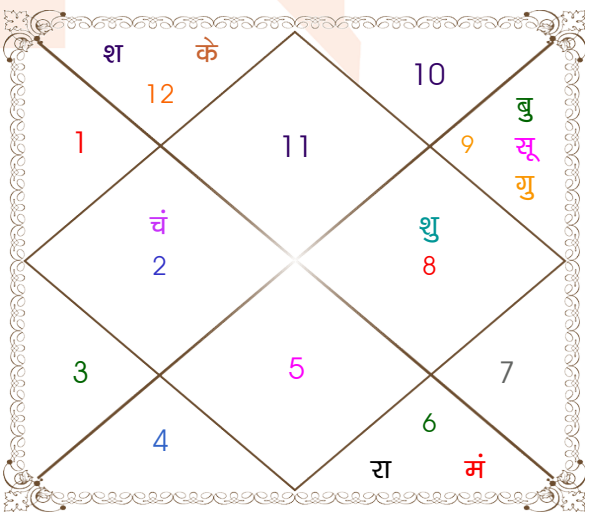

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शुक्र	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	29.50		

Naveen का वर्ग सर्प है तथा Renu का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Naveen और Renu का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Naveen मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

Renu मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Renu कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Naveen कि कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Naveen तथा Renu में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।